सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 332 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 10 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

इस बात को व्यक्त मत होने दीजिये कि आपने क्या करने के लिए सोचा है, बुद्धिमानी से इसे रहस्य बनाये रखिये और इस काम को करने के लिए दृढ रहिये।
-चाणक्य

चैंपियंस-ट्रॉफी की टीम में शमी ने... 7 | चुनावी एलान के बाद दिल्ली... 3 | मेरे लिए पिता तुल्य थे चाचा... 2

जांच के बाद बंद हो सकता है मेकवेल हॉस्पिटल!

ई-रिक्शा से ज्यादा निजी अस्पताल, रोज ले रहे हैं लोगों की जान

- सिर्फ पैसा कमाना मकसद दवाईयों, पैथालॉजिकल रिपोर्ट और चिकित्सीय सुविधाओं के नाम पर मरीजों को लूट रहे हैं
- न जाने कितने लोगों के घरों में मातम बरपा रहे हैं डग्गामार अस्पताल
- कई अस्पतालों के सुपर डीलक्स रूम तो ओयो रूम की तरह हो रहे हैं इस्तेमाल
- दिमाग को सन्न कर देने वाली फर्जी अस्पतालों की पोल खोलती 4PM न्यूज नेटवर्क की यह रिपोर्ट...

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चौक चौराहे से लेकर दुब्बगा चौराहे तक कम से कम 150 अस्पताल, सहादतगंज हो या फिर गोमतीनगर जैसे पॉश इलाके इन डग्गामार अस्पतालों ने किसी को नहीं बख्शा। लखनऊ की संकरी गलियां हो या फिर चौड़े रास्ते सभी जगह आप को ट्रामा सुविधाओं से लेकर जीवन रक्षक उपकरणों से लैस बड़े-बड़े अस्पताल मिल जाएंगे। यह अस्पताल लोगों की जिंदगियों से खेल रहे हैं और न जाने कितने घरों में मौत का मातम बरपा कर चुके हैं।

न पार्किंग, न फायर, फिर भी सुपरस्पेशल हॉस्पिटल का दावा

सरकार इनका कुछ नहीं बिगाड़ पा रही। सभी जगह ऐन, केन और येन फार्मूले के तहत सबकुछ शांतिपूर्वक चल रहा है। बस हो हल्ला तब मचता है जब किसी को किसी का भ्रष्टाचारी लिफाफा समय पर नहीं पहुंचता है। तब छापे और दूसरी अन्य कार्रवाई करके अपने फर्ज की इतिश्री कर ली जाती है। हद तो यहा तक पहुंच चुकी है कि मेडिकल कालेज से लेकर दूसरे अन्य सरकारी आस्पतलाओं के मरीज तक इन निजी अस्पतालों में पूल हो जाते हैं। एंबूलेंस की अपनी अलग कहानी है, पैथालॉजिकल रिपोर्ट की तो पूछिये मत। नकली दवाइयों ने कहर बरपा कर रखा है। इन सब चीजों का काकटेल मरीज को सीधे यमलोक के दरवाजे पर पहुंचा रहा है और हम चुपचाप खड़े तमाश देख रहे हैं। 4पीएम कभी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटा। सच के सामने चाहे जो खड़ा हो हमने उसे हटाकर हमेशा सच को दिखाया है। इस बार हमने ऐसे ही फर्जी अस्पतालों के खिलाफ बीड़ा उठाया है। हमे धमकियां मिलनी शुरू हो चुकी है और हमारे रिपोर्टस को अर्दब में लेने की कोशिशे भी हुई है। हम पहली कड़ी में कठौता झील सिथत मेकवेल अस्पताल का काला चिटठा लेकर आ रहे हैं। आगे भी हमारी यही कोशिश जारी रहेगी। मेकवले हॉस्पिटल के डायरेक्टर के मुताबिक यह अस्पताल मल्टीस्पेशल चिकित्सय सुविधाओं से लैस है जो किसी को दिखती नहीं है। यहां पैरामेडिकल स्टाफ के तौर पर 29 लोग काम कर रहे हैं। ईएमओ भी है। फार्मेसी और पैथालॉजी की सुविधा इन हाउस है। टोटल रजिस्ट्रर्ड बेड की संख्या 45 है। जनरल वार्ड में 10 बेड है औरआईसीयू में 18 बेड इसके अतिरिक्त डीलक्स और सेमी डीलक्स रूम की सुविधा भी उपलब्ध है।

'जांच करा के उचित कार्रवाई करेंगे'

सिक्योरिटी गार्ड अवनीश सिंह ने बताया कि यहा सैलरी की समस्या शुरू से हैं। समय पर सैलरी नहीं मिलती। वहीं उसने बताया कि लोगों को जो दिक्कतें आती है उसकी वह शिकायत करते हैं। बिलिंग इंचार्ज के मुताबिक यहां पर सबकुछ सही चल रहा है।

खैर इस विषय पर हम अपनी अगली रिपोर्ट में बताएंगे कि यहां पर क्या–क्या और कैसे कैसे कारनामों को अंजाम दिया जा रहा है। इस विषय पर सीएमओ लखनउ एनबी सिंह ने कहा है कि हम जांच करा के उचित कार्रवाई करेंगे ठीक शिकायतों के संबध में यदि अस्पताल उन्हें ठीक करेगा तो ठीक वर्ना हास्पिटल को बंद करा दिया जाएगा।

लंबे समय से लग रहे हैं तरह-तरह के आरोप

यह कहानी सिर्फ मेकवेल हॉस्पिटल जैसे हास्पिटल की नहीं है। इस जैसे सैकड़ों निजी अस्पताल आप को लखनऊ के किसी भी गली मोहल्ले के मोड़ पर मिल जाएंगे जो खुद को सुपर स्पेशल हॉस्पिटल होने का दावा करेंगे। सोचिए जिस अस्पताल में लिफ्ट नहीं है, पार्किंग की व्यवस्था नहीं है और अपने कर्मचारियों को देने की तनख्वाह नहीं है वह कैसा हास्पिटल होगा? 4पीएम न्यूजनेटवर्क के पास लंबे समय से इस अस्पताल की शिकायतों के फोन आ रहे थे। हमारे रिपोर्टर ने जब शिकायतों की सच्चाई को जाना तो होश उड़ा देने वाले तथ्य सामने आये। इस अस्पताल के खिलाफ लोग खुद को सामने न लाकर लंबे समय से तरह-तरह के आरोप लगा रहे है। कोई कुछ कहता है तो कोई किसी दूसरे प्रकार का आरोप लगाता है। मेकवेल हास्पिटल में नियमों के मुताबिक न तो पार्किंग व्यवस्था मिली और न ही लिफ्ट चलती मिली। मरीजों के साथ खराब आचरण के तो अनगिनत किस्से मिले।

मेरे लिए पिता तुल्य थे चाचा राजपाल : अखिलेश

राजपाल यादव का सैफई में हुआ अंतिम संस्कार, अखिलेश यादव, रामगोपाल यादव, शिवपाल सिंह यादव समेत दिग्गज हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने स्वर्गीय राजपाल सिंह यादव के पार्थिव शरीर को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और गहरा दु:ख व्यक्त किया करते हुए कहा है कि वह उनके लिए पिता तुल्य थे। उनके निधन से उन्हें गहरा दुख हुआ है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे और उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव और बड़े भाई प्रो0 रामगोपाल यादव ने राजपाल सिंह यादव के निधन पर गहरा दु:ख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर अपने छोटे भाई के निधन की जानकारी साझा की और लिखा कि मैं अत्यंत दु:ख के साथ ये सूचित कर रहा हूँ कि मेरे अनुज राजपाल सिंह का आज सुबह चार बजे मेदांता अस्पताल गुड़गांव में असामयिक निधन हो गया है। प्रभु उनकी आत्मा को शांति दे।

राजपाल सिंह की प्रारंभिक शिक्षा पैतृक गांव सैफई के स्कूल में हुई। इंटर की पढ़ाई राजपाल सिंह ने मैनपुरी जिले के करहल स्थित जैन इंटर कॉलेज में की है। बीए इटावा केके डिग्री कॉलेज से किया है। एमए लखनऊ विश्वविद्यालय से 1976 और 77 में किया है।

नेताजी मुलायम सिंह यादव के परिवार में सबसे बड़े भाई रतन सिंह, अभय राम, कमला देवी, राजपाल सिंह और शिवपाल सिंह यादव है। राजपाल सिंह यादव का पार्थिव शरीर आज सैफई लाया गया, जहां दोपहर बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर अखिलेश यादव, प्रो. रामगोपाल यादव, शिवपाल सिंह यादव, श्रीमती डिम्पल यादव, अनुराग यादव, धर्मेन्द्र यादव, अक्षय यादव, आदित्य यादव, तेज प्रताप यादव समेत समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, विधायक, सांसद भी शामिल रहे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सांसद नरेश उत्तम पटेल, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व सांसद राजा रामपाल कानपुर, इटावा सांसद जितेंद्र दोहरे, पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव, एमएलसी मुकुल यादव, पूर्व एमएलसी अरविंद प्रताप सिंह यादव, पूर्व विधायक प्रमोद गुप्ता बिधूना, पूर्व मंत्री आलोक शाक्य, पूर्व मंत्री राम सेवक यादव, पूर्व मंत्री सुभाष यादव, पूर्व विधायक राजकुमार यादव राजू, पूर्व विधायक रघुराज सिंह शाक्य, पूर्व विधायक मानिकचंद यादव, रामवृक्ष यादव आदि प्रमुख नेता भी अंतिम संस्कार में शामिल रहे।

मिल्कीपुर चुनाव को प्रभावित करने के लिए बीजेपी कोई भी हथकंडा अपना सकती है: अवधेश प्रसाद

» नौ सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा दीं

» सपा मुहूर्त के अनुसार दाखिल करेगी पर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद ने शुक्रवार को भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव को प्रभावित करने के लिए कुछ भी हथकंडा अपना सकती है। यहां अभी नौ सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा दी। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा ने अभी हाल में हुए उपचुनाव में फर्जी वोट डलवाए हैं। लोक ने नहीं तंत्र ने वोट डाला है। पिस्टल लहराई गई है। इनका जो चरित्र है, उसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। केजरीवाल जो बात कर रहे हैं, उनकी बात प्रमाण है।

सपा सांसद ने भाजपा सांसद मनोज तिवारी को लेकर कहा कि मनोज तिवारी पहले हमारी पार्टी में रहे हैं। वह कलाकार हैं। उनकी अपनी विचारधारा हो सकती है। इस पर मुझे कुछ नहीं कहना है। उन्होंने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि बहुत बड़े राष्ट्र हित में यह गठबंधन बनाया गया है। यह जो गठबंधन बना है, देश के जो हालात हैं, बाबा साहेब का संविधान खतरे में है। देश के करोड़ों नौजवानों के पास कोई काम नहीं है। वो डिग्रियां जलाने की सोच रहे हैं। हमारी सेना का जो गौरवशाली इतिहास है। दुनिया के लोग हमारी सेना का लोहा मानते हैं। उनके सम्मान को बढ़ाने का काम मुलायम सिंह ने किया है। जवान शहीद होता है तो उसका पार्थिव शरीर जाएगा तो डीएम और अधिकारी सम्मान देंगे। आज क्या हो रहा है। भाजपा डबल इंजन की सरकार में चार साल के लिए सेना में भर्ती। हमारा नौजवान क्या करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि मिल्कीपुर की सीट पर मुहूर्त के अनुसार पर्चा दाखिल होगा। यह चुनाव पहले हो जाना चाहिए था। सीट बहुत दिन से खाली है। हमें जनता पर पूरा भरोसा है। यहां के पूरे क्षेत्र पर मुझे विश्वास है। सारे लोगों का समर्थन हमारी जीत का आधार होगा।

विधान भवन के सामने परिवार ने किया आत्मदाह का प्रयास

» हजरतगंज पुलिस की मुस्तैदी से टली घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में विधानभवन के सामने शुक्रवार को एक परिवार ने आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस की मुस्तैदी से मामला टल गया।

शुक्रवार को लगभग 12.20 बजे विधान भवन गेट नंबर 4 के सामने, राजकमल रावत (34) पुत्र बराती लाल, निवासी थाना निगोहां ने अपनी समस्या को लेकर आत्मदाह का प्रयास किया। राजकमल ने अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया था जिसे सजग महिला सिपाही लक्ष्मी देवी और स्थानीय पुलिस ने तत्काल रोका और थाना हजरतगंज ले जाया गया।

राजकमल ने आरोप लगाया कि विपक्षी शहंशाह, इशरत अली और समीर अली निवासी कांटा करौंदी थाना निगोहां द्वारा उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 307 के तहत झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस कारण वे 3.5 महीने जेल में रहे। जेल से बाहर आने के बाद भी विपक्षियों द्वारा उन्हें और उनके परिवार को परेशान किया जा रहा है। परिवार के अन्य सदस्य, पत्नी नीतू कुमारी (27), पुत्री जिया सिंह (06), पुत्र रुद्रांश (03), और पुत्री जियांशी (08) भी इस घटना से प्रभावित हैं। मामले में स्थानीय पुलिस द्वारा स्थिति पर सतर्कता से कार्रवाई की गई।

दिल्ली के विकास में पूर्वांचल के लोगों की सबसे बड़ी भूमिका: प्रमोद तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि दिल्ली के विकास में पूर्वांचल के लोगों का सबसे बड़ा योगदान रहा है। यहां कई लोग ऐसे हैं जिन्होंने दिल्ली के विकास में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने आगे कहा, भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों को इसका दोष देना चाहिए, क्योंकि वे चुनाव के समय इन लोगों को 'बाजी' के रूप में देख रहे हैं। भाजपा ने पहले कई नामों को बाहर किया था।

यह स्थिति हम उत्तर प्रदेश के चुनाव में देख चुके हैं। यह पार्टी धर्म, जाति या क्षेत्र के आधार पर मतदाताओं को अनदेखा कर रही है। प्रमोद तिवारी ने जीएसटी के बारे में भी अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा, जीएसटी एक घरेलू संकट का टैक्स है, जिसे राहुल जी 'गब्बर सिंह टैक्स' कहते हैं। इसका बोझ सामान्य जनता पर पड़ रहा है।

चुनावी एलान के बाद दिल्ली में घमासान

सियासी दलों ने शुरू किया चुनाव प्रचार

- आप के निशाने पर भाजपा और मोदी
- कांग्रेस ने भी झोंकी पूरी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो गया। सोमवार (6 जनवरी) को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी की। इस लिस्ट में कुल 1 करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 मतदाता रजिस्टर्ड हैं,इनमें से 84 लाख 49 हजार 645 पुरुष मतदाता हैं, जबकि 71 लाख 73 हजार 952 महिला मतदाता हैं।

उधर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी जीत के दावे किए हैं। अब तो दिल्ली की जनता 5 फरवरी को किसको वोट देती है इसका पता तो 8 फरवरी को ही चलेगा कि आप की सरकार फिर वापसी करेगी या कांग्रेस व भाजपा कर बनवास खत्म होगा। आप के गोपाल राय ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार अपने तीनों कार्यकाल में एक भी काम गिना सके, तो वह अपने काम गिनाए। भाजपा वालों के पास कुछ भी नहीं है।

कांग्रेस ने लॉन्च की जीवन रक्षा योजना

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा व आप के बाद कांग्रेस ने अपनी गारंटी लॉन्च कर दी है। कांग्रेस ने दिल्ली में प्यारी दीदी के बाद जीवन रक्षा योजना का एलान किया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्वास्थ्य बीमा योजना की गारंटी देते हुए कहा कि अगर दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनी तो दिल्ली के हर नागरिक को 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। जानकारी के मुताबिक, जीवन रक्षा योजना के तहत दिल्ली के सभी नागरिकों को 25 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस मिलेगा यानी 25 लाख रुपए तक का फ्री इलाज होगा। इससे पहले कांग्रेस ने दिल्ली की महिलाओं के लिए 2500 रुपये हर माह देने का वादा किया था। आप की महिला सम्मान योजना के सामने कांग्रेस ने प्यारी दीदी योजना की घोषणा की। कांग्रेस की इस योजना के तहत दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को हर माह 2500 रुपये दिए जाएंगे।

केजरीवाल का अधिकतर वोटर इस समय शीला दीक्षित को याद कर रहा है : संदीप दीक्षित

अखिलेश के आप को सपोर्ट करने के बायन पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने उन्हें अगाह किया है। उन्होंने कहा, अगर वह आप का मंच साझा करेंगे तो दिल्ली में सपा का वोटर हमेशा के लिए कांग्रेस में शिफ्ट हो जाएगा। इसमें हमारा फायदा है, अरविंद केजरीवाल हार रहे हैं, इसमे कोई शक नहीं है। अरविंद केजरीवाल का अधिकतर वोटर इस समय शीला दीक्षित को याद कर रहा है।

भाजपा दिल्ली में पूरी तरह से कंफ्यूज

भाजपा आज दिल्ली में पूरी तरह से कंफ्यूज है। सुबह वह फ्रीबीज का विरोध करते हुए दिखाई देते हैं, शाम होते-होते विरोध बंद कर देते हैं। भाजपा नेताओं को समझ में ही नहीं आ रहा है कि वह किस मुद्दे के सहारे अपना चुनावी अभियान आगे बढ़ाए। यह इसके बावजूद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दो-दो रैलियां की हैं। जमीन पर इसको लेकर कोई हलचल नहीं है। जनता को सीधे कैश देने की योजनाओं का बचाव करते हुए गोपाल राय ने माना कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए जनता की जेब में पैसा होना बहुत जरूरी है। अगर जनता की क्रय शक्ति बढ़ेगी तो अर्थव्यवस्था भी आगे बढ़ेगी। यह एक अलग आर्थिक मॉडल है। इससे बाजार आगे बढ़ेगा और रोजगार के मौके भी पैदा होंगे।

आप को मिला टीएमसी व सपा का साथ

दिल्ली विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के बाद सपा व टीएमसी ने आप को समर्थन देने की घोषणा कर दी हैं। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल का समर्थन करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी बीजेपी को हराए। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि हमें उम्मीद है कि दिल्ली में फिर से आम आदमी पार्टी की सरकार आएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बीजेपी का पूरी तरह से सफाया हो जाएगा। इससे पहले सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी मंगलवार को आम आदमी पार्टी को समर्थन देने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि वह आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मंच भी साझा करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा था कि दिल्ली में वह कांग्रेस का नहीं, बल्कि आम आदमी पार्टी का साथ देंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी को सिर्फ आप ही हरा सकती है।

भाजपा पर आप ने साधा निशाना

गोपाल राय ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार अपने तीनों कार्यकाल में एक भी काम गिना सके, तो वह अपने काम गिनाए। भाजपा वालों के पास कुछ भी नहीं है। आप की दिल्ली सरकार ने अपने हिस्से में आने वाले सारे काम किए। इसी के सहारे आप का अभियान आगे बढ़ रहा है और बगैर किसी सत्ता विरोधी लहर के प्रचंड बहुमत से सरकार बनेगी।

आप की सरकार फिर करेगी वापसी : गोपाल राय

दिल्ली सरकार के मंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक गोपाल राय का दावा है कि दिल्ली में उनकी तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। आप को दिल्ली सरकार के काम पर वोट मिलेगा। भाजपा के पास गिनाने के लिए कोई काम नहीं है। आज भाजपा दिल्ली में पूरी तरह कन्फ्यूज है। दिल्ली को वह कैसे दिशा दिखाएगी। अमर उजाला के साथ बातचीत में गोपाल राय ने दिल्ली के सत्ता संग्राम के साथ अपने निजी सियासी सफर के अनजाने पहलुओं पर भी रोशनी डाली। आप संयोजक गोपाल राय ने माना कि आम लोगों में जो भी गिला-शिकवा रहा हो, बीते दो महीने में दूर हो गया है। जिस तरह से आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अलग-अलग योजनाएं घोषित की,

उसने लोगों को आप के हक में लामबंद करने में मदद की है। टिकट बदलने के सवाल पर गोपाल राय ने कहा कि पार्टी ने सर्वे के आधार पर इसका फैसला किया है। नई सरकार बनने के बाद भी मौजूदा संवैधानिक ढांचे में ही काम कर पाने के सवाल पर गोपाल राय ने कहा कि अभी भी हम लोग उसी ढांचे पर काम कर रहे हैं। आप की दिल्ली सरकार ने कई ऐसे काम करवाए हैं, जिन पर भाजपा ने रोड़े अटकाने की कोशिश की। गोपाल राय के मुताबिक, महाराष्ट्र की तर्ज पर दिल्ली में ऑपरेशन लोटस चलाया गया। इसके चलते बीते दो साल बहुत मुश्किल रहे। इतनी रोक और बाधाओं के बाद भी हमने जनता के लिए काम किया। दिल्ली सरकार के काम पर हमें एक बार फिर वोट मिलेगा।

कश्मीर में नई पीढ़ी के हाथ में आएगी सियासत

- अब्दुल्ला खानदान की चौथी पीढ़ी तैयार
- मुफ्ती की नातिन व महबूबा की बेटी ने लड़ा विस चुनाव
- उमर के बेटे जमीर बडगाम से लड़ सकते हैं चुनाव
- इल्तिजा देन लगीं हैं पीडीपी को धार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में वहां की परंपरागत राजनीजिक परिवारों की नई पीढ़ी अब चुनावों में अपनी जोर आजमाईश करने को तैयार हैं। हालांकि वहां की प्रतिष्ठित राजनीति पार्टी पीडीपी व मुफ्ती परिवार के लिए महबूबा की बेटी इल्तिजा ने राज्य विस चुनावों में दांव लगाया पर वह हार गईं। इसके बावजूद भी वह पार्टी के हर स्तर सक्रिय भागीदारी करती रहती हैं।

वहीं सुनने में आ रहा कि राज्य एक और बड़े सियासी खानदान अब्दुल्ला परिवार की चौथी पीढ़ी जम्मू-कश्मीर की राजनीति में कदम रखने जा रही है। उमर अब्दुल्ला के बेटे जमीर अब्दुल्ला बडगाम विधानसभा सीट से नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ सकते हैं। बडगाम नेकां का गढ़ माना जाता है और पार्टी ने यहां से सभी आठ विधानसभा चुनाव जीते हैं। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पिता उमर अब्दुल्ला के साथ चुनाव प्रचार तक सीमित रहे जमीर अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर की राजनीति में सक्रिय होने के लिए तैयार हैं। परिस्थितियों के अनुकूल रहने पर वह बडगाम विधानसभा सीट के उपचुनाच में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उम्मीदवार के रूप में भाग्य आजमा सकते हैं।बता दें कि वर्ष 2024 में विधानसभा चुनाव में उमर ने नेकां के उम्मीदवार के रूप में बडगाम व गांदरबल से चुनाव लड़ा और दोनों सीटों पर जीते। बाद में उन्होंने बडगाम सीट से त्यागपत्र दे दिया। अब बडगाम सीट खाली है। इसके अलावा जम्मू में भाजपा नेता देवेंद्र सिंह राणा के निधन से नगरोटा सीट भी खाली पड़ी है। अनुमान है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ जम्मू कश्मीर में खाली दो सीट बडगाम और नगरोटा पर उपचुनाव कराए जा सकते हैं। यह चुनाव फरवरी-मार्च में हो सकते हैं।

नेकां का गढ़ है बडगाम

नेकां ने वर्ष 1977 से बडगाम से सभी आठ विधानसभा चुनाव जीते हैं। सूत्रों के अनुसार, बडगाम सीट पर उमर के बड़े पुत्र जमीर और मुख्यमंत्री उमर के सलाहकार नासिर असलम वानी के अलावा आगा सैयद महमूद के नाम को लेकर चर्चा जारी है। नासिर वर्ष 2008 में अमीराकदल सीट से चुनाव जीते थे। तत्कालीन नेकां-कांग्रेस गठबंधन सरकार में राज्यमंत्री भी रहे। वर्ष 2014 में वह

अमीराकदल पर पीडीपी उम्मीदवार सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी से चुनाव हार गए थे। बुखारी जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के चेयरमैन हैं। नासिर ने 2024 का चुनाव कुपवाड़ा सीट पर लड़ा। वहां उन्हें पीडीपी उम्मीदवार मीर मोहम्मद फैयाज ने हराया। फैयाज 2015 से 2019 तक पीडीपी के राज्यसभा सदस्य थे।आगा सैयद महमूद शिया मतदाताओं में जनाधार रखते हैं। उन्होंने वर्ष 1987 में पट्टन से और 1996 में बीरवाह से विधानसभा चुनाव लड़ा व जीता। वह दोनों ही बार तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला की सरकार में राज्यमंत्री भी रहे हैं।

पीडीपी से आगा मुंतजिर लड़ सकते चुनाव

बडगाम सीट पर पीडीपी से शिया धर्मगुरु और अलगाववादी आगा सैयद हसन बडगामी के बेटे आगा मुंतजिर चुनाव लड़ने की संभावना है। 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें बडगाम सीट पर 17525 वोट मिले थे।उमर ने उन्हें 18485 वोट के अंतर से हराया है। बडगाम जिला विकास परिषद के चेयरमैन नजीर अहमद विपश के साझा उम्मीदवार हो सकते हैं। वह पूर्व मंत्री सरफराज के पुत्र हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अपुष्ट सूचनाओं के आदान-प्रदान से बचना होगा!

“ सरकार जो करेगी वो करेगी आम जनता को सतर्क रहना बहुत जरुरी है। ‘ह्यूमन मेटान्यूमो’ वायरस पर हेल्थ मिनिस्टर और आइसीएमआर दोनों के बयानों में अंतर है। बिना तालमेल और अ-पुष्ट सूचनाओं के आदान-प्रदान से सभी को बचना होगा। क्योंकि इससे स्थिति बिलावजह नाजुक हो जाती हैं। दोनों संस्थाओं को सबसे पहले मॉनिटरिंग पर फोकस करना होगा, जो कोरोना के वक्त अच्छे से नहीं किया था।

चीन से निकले एक और वायरस ने भारत सही कई देशों में तबाही मचानी शुरू कर दी है। भारत के यूपी, गुजरात समेत कई राज्यों में ‘ह्यूमन मेटान्यूमो’ वायरस से नौ से दस मरीज संक्रमित हो गए हैं। हालांकि जब इस वायरस के आने की खबर आई थी तो स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि सरकार की ओर से पूरी व्यवस्था रहेगी इ वायरस को फैलने नहीं दिया जाएगा पर इन सबके बावजूद आठ-दस मरीजों का मिलना सरकार के काम करने के तरीके पर सवाल उठता है। सरकार जो करेगी वो करेगी आम जनता को सतर्क रहना बहुत जरुरी है। ‘ह्यूमन मेटान्यूमो’ वायरस पर हेल्थ मिनिस्टर और आइसीएमआर दोनों के बयानों में अंतर है। बिना तालमेल और अ-पुष्ट सूचनाओं के आदान-प्रदान से सभी को बचना होगा। क्योंकि इससे स्थिति बिलावजह नाजुक हो जाती हैं।

दोनों संस्थाओं को सबसे पहले मॉनिटरिंग पर फोकस करना होगा, जो कोरोना के वक्त अच्छे से नहीं किया था। गौरतलब है बीते 3 वर्ष पूर्व कोरोना वायरस ने संसार को जो गहरे जख्म दिए थे, वो आज भी हरे हैं और तब तक रहेंगे? शायद जब तक इस धरती पर इंसानों का वजूद रहेगा? क्योंकि कोरोनाकाल में कोई परिवार ऐसा नहीं बचा होगा जिसने अपने किसी सगे या कोई करीबी दोस्त, पड़ोसी, रिश्तेदार को न खोया हो? भारत में ‘ह्यूमन मेटान्यूमो’ का पहला संक्रमण एक बच्ची में 6 जनवरी को सुबह कर्नाटक में मिला और शाम होते-होते गुजरात से लेकर तमिलनाडू तक मरीजों की संख्या पांच-छह तक पहुंच गई। संक्रमितों की खबर ने ऐसी दहशत फैलाई, जिससे केंद्र सरकार भी हलकान हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को भी मीडिया में आकर बताना पड़ा, कि देशवासियों को फिलहाल चिंता करने और घबराने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि स्थिति पर उनका पूर्ण नियंत्रण है और संपूर्ण इंतजाम केंद्रीय स्तर पर किए जा चुके हैं। उन्होंने इस वायरस को नया नहीं, बल्कि पुराना ही बताया है? चाइना की धरती से निकलकर दुनिया में कोहराम मचाने वाले जानलेवा वायरस बेकसूर इंसानों का पीछा करना कभी छोड़ेंगे या नहीं? क्योंकि प्रत्येक खतरनाक वायरसों का केंद्र चीन ही होता है? कोविड-19 के बाद एक ऐसी अबूझ पहेली है जिसे न डब्ल्यूएचओ सुलझा पाया और न ही दुनिया की तमाम चिकित्सा रिसर्च रिपोर्ट किसी नतीजे पर पहुंच पाईं? हालांकि, वायरस के निमार्ण के पीछे चीनी हिमाकत पर शक तो सभी को बहुत पहले से है? लेकिन तथ्यों के साथ कोई उसे एक्सपोज नहीं कर पाया? ऐसे अंसख्यक सवाल हैं जो उनके इस नए ‘ह्यूमन मेटान्यूमो’ वायरस यानी एचएमपीवी के बाद खड़े हुए हैं। सवाल दरअसल खड़े होने भी चाहिए, आखिर क्यों लोगों की जान लेने पर वो आमादा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घटिया बयानबाजी का मुखर विरोध जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

आप क्या कह रहे हैं, से कम महत्वपूर्ण नहीं होता यह कि कोई बात आप कैसे कह रहे हैं। सड़कों को साफ-सुथरा और समतल बनाने का वादा करने वाला कोई राजनेता यदि यह कहे कि वह ‘सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा चिकना बनवा देगा’ तो इसे सिर्फ एक घटिया अभिव्यक्ति मात्र कहकर या समझकर दर-किनार कर देना सही नहीं होगा। दिल्ली के कालकाजी चुनाव-क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने अपने चुनाव-प्रचार में जिस तरह कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का नाम लेकर यह बात कही है, उसकी सिर्फ भर्त्सना ही हो सकती है- और अच्छी बात है कि हो भी रही है। राजनीतिक नफे-नुकसान का गणित लगाने के बाद इस नेता ने भले ही अपने कहे पर खेद व्यक्त कर दिया हो, पर बात यहीं खत्म नहीं होती है।

पहली बात तो यह कि हमारे राजनेता अक्सर इस तरह का खेद भले ही व्यक्त कर देते हों, पर अक्सर यह खेद ऊपरी दिखावा मात्र होता है। अब बिधूड़ी का उदाहरण ही लें- सवेरे वे महिलाओं को अपमानित करने वाली बात कहकर खेद व्यक्त करते हैं और उसी शाम दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की इस बात के लिए आलोचना करते हैं कि राजनीतिक लाभ उठाने के लिए आतिशी ने अपना पिता तक बदल लिया! हां, यही मतलब है उस बात का जो बिधूड़ी ने कही थी- ‘मारलेना ने अपना पिता ही बदल लिया है। पहले उनका ‘सरनेम’ मारलेना था और अब वह सिंह बन गयी हैं।’ और इस वाक्य के बाद उन्होंने जो कहा वह तो और भी आपत्तिजनक हैं। बिधूड़ी ने कहा, ‘यह है उनकी संस्कृति!’ यह पहली बार नहीं है जब बिधूड़ी ने इस तरह की बात कही है। सात साल पहले भी एक चुनाव-प्रचार के दौरान ही उन्होंने सोनिया गांधी के संदर्भ में संस्कारों की बात कही थी। हमारे नेता अक्सर खेद व्यक्त करते सुने-देखे जाते हैं, पर कभी किसी को सचमुच में खेद होता हो, ऐसा लगता नहीं। गालों जैसी चिकनी सड़कों वाली इसी बात में देखें तो जब बिधूड़ी से अपनी गलती (अपराध पढ़िए) के लिए क्षमा मांगने के लिए कहा गया तो उनकी पहली प्रतिक्रिया थी, ‘लालू यादव ने भी हेमा मालिनी के गालों जैसी सड़कों की बात की थी, पहले कांग्रेस उसके लिए क्षमा मांगे, क्योंकि तब लालू यादव कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री थे!’ यह कैसा बचाव है? दुर्भाग्य से बचाव का यह तरीका हर रंग के राजनेता

अपनाते हैं। ‘फलां ने तब ऐसा कहा या किया था, तब माफी क्यों नहीं मांगी गयी?’ फिर, क्षमा मांगने या खेद व्यक्त करने की मांग पर एक बात और कहते हैं हमारे राजनेता। ‘यदि किसी को मेरी बात से चोट लगी है तो मैं खेद व्यक्त करता हूं।’

इन राजनेताओं से पूछा जाना चाहिए कि इस ‘यदि’ का क्या मतलब है। किसी के गालों वाली बात कहकर निश्चित रूप से नारी-जाति के प्रति अपनी घटिया सोच का उदाहरण प्रस्तुत किया है बिधूड़ी ने और उन्हें समझ आना चाहिए कि उनसे गलती नहीं, अपराध हुआ है। इस अपराध के लिए उन्हें बिना किसी शर्त के क्षमा मांगनी चाहिए। ‘यदि’ वाली बात उनके ‘खेद’ को झूठा साबित करती है। क्षमा मांगना आसान नहीं होता। जब हम क्षमा मांगते हैं तो वास्तव में हम अपने गलत किये का पश्चाताप कर रहे होते हैं। ऐसा कोई पश्चाताप का भाव हमारे राजनेताओं के खेद में कहीं भी दिखाई नहीं देता। एक रस्म अदायगी कर देते हैं वे-और मान लेते हैं कि उनके पाप धुल गये। पाप धुलते नहीं हैं, बार-बार उजागर होते हैं। बिधूड़ी का सोनिया गांधी के संदर्भ वाला बयान सन 2017 का है।

यानी आज से सात-आठ साल पहले का। तब उन्होंने इटली की घटिया संस्कृति की बात कहकर सोनिया गांधी को कोसा था। वैसी ही महिलाओं के प्रति अपमानजनक सोच वाली बात उन्होंने अब कही है। वस्तुत: यह उदाहरण घटिया राजनीति का ही नहीं, घटिया मानसिकता का भी है। और, दुर्भाग्य से, यह मानसिकता हमारी राजनीति में बार-बार उजागर होती रहती है। अंग्रेजी का शब्द है पॉलीटिशियन। इसके लिए हम राजनेता शब्द काम में लेते हैं। घटिया भाषा और घटिया सोच वाले पॉलीटिशियनों के लिए नेता शब्द उचारते हुए भी मुझे झिझक महसूस हो रही है। घटिया सोच वाला कोई व्यक्ति हमारा नेता कैसे हो सकता है, और क्यों होना चाहिए? क्यों न हम ऐसे नेताओं के खिलाफ अभियान छेड़ें? उनका बहिष्कार क्यों न हो? संसद में आपत्तिजनक बात कहने, भाषा बोलने के लिए जब रमेश बिधूड़ी की भर्त्सना हुई तो भाजपा ने लोकसभा के लिए उन्हें उम्मीदवार न बनाकर यह संकेत दिया कि वह इस तरह के आपत्तिजनक आचरण को स्वीकार नहीं करेगी। अच्छा लगा था यह देखकर। पर अब उसी व्यक्ति को विधानसभा का टिकट देकर भाजपा ने एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि लोकसभा के लिए उन्हें टिकट न देना और अब विधानसभा का टिकट देना, दोनों, राजनीतिक नफे-नुकसान के गणित का परिणाम है।

हिमालयी क्षेत्र में भूकंपीय सुरक्षा की चुनौती

जयसिंह रावत

नये साल के पहले सप्ताह में तिब्बत के शिगात्से क्षेत्र में 7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके उत्तर भारत और हिमालयी राज्यों में महसूस हुए। यह भूकंप इन क्षेत्रों के लिए एक चेतावनी है, क्योंकि हिमालयी राज्य भूकंपीय संवेदनशीलता के लिहाज से जोन पांच और चार में आते हैं, जो सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र माने जाते हैं। भूकंप वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि पिछले 100 सालों में इस क्षेत्र में 8 तीव्रता का बड़ा भूकंप नहीं आया है, जिससे धरती के अंदर बहुत अधिक भूगर्भीय ऊर्जा जमा हो चुकी है। यह ऊर्जा कभी भी घातकता के साथ निकल सकती है। भूकंप को रोका नहीं जा सकता, लेकिन सतर्कता और जागरूकता से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। राष्ट्रीय भूकम्प विज्ञान केन्द्र की वेबसाइट में 8 जनवरी के दिन सिक्किम में 2.8 से लेकर 4.9 तीव्रता तक के 24 भूकम्पों के रिकार्ड किये जाने का उल्लेख है। 7 जनवरी को भी इतने ही भूकम्प सिक्किम में दर्ज हुए थे।

इस साल पहली जनवरी से लेकर 8 जनवरी तक मणिपुर, हिमाचल प्रदेश के डोडा, मध्य प्रदेश के सिंगरौली और गुजरात के कच्छ आदि में दर्जनों भूचाल दर्ज हुए। लोकसभा में 6 दिसम्बर, 2023 को पृथ्वी विज्ञान मंत्री द्वारा दिये गये एक वक्तव्य के अनुसार उत्तर भारत और नेपाल में आने वाले भूकम्पों की संख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण पश्चिमी नेपाल में अल्मोड़ा फॉल्ट का सक्रिय होना है। वैज्ञानिक पहले ही एमसीटी जैसे भ्रंशों के आसपास खतरे की चेतावनी देते रहते हैं। भारत का हिमालयी क्षेत्र अपनी भूगर्भीय रचना के कारण सदैव भूकंप से अत्यधिक प्रभावित रहा है। हिमालयी क्षेत्र भौतिक दृष्टि से पृथ्वी की सबसे संवेदनशील जगहों में से एक है। हिमालय को सबसे युवा और नाजुक पहाड़ माना जाता है। यह क्षेत्र यूरेशियाई और भारतीय प्लेटों के बीच स्थित है, जहां दोनों प्लेटें एक-दूसरे से टकराती हैं। यह टक्कर ही भूकंप के मुख्य कारणों में से एक है।

भूगर्भीय इतिहास के अनुसार भारतीय उपमहाद्वीप मूल रूप से एक द्वीप था जो लगभग 50 मिलियन वर्ष पहले एशिया के साथ टकराया और इस प्रक्रिया में हिमालय का निर्माण हुआ। इस टक्कर के कारण पृथ्वी की सतह पर तीव्र दबाव और तनाव उत्पन्न हुआ, जो अब भी भूकंप का कारण बनता है। भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की टक्कर निरंतर जारी है, परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में भूगर्भीय ऊर्जा उत्पन्न होती है, जो अचानक भूकंप के रूप में पृथ्वी की सतह को हिलाती है। हिमालयी क्षेत्र अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित है, जहां भूमि की संरचना में लगातार परिवर्तन हो रहा है। भूकंप के झटके इन पहाड़ों की संरचना में उथल-पुथल पैदा करते हैं। पहाड़ी इलाकों में खनन, जलविद्युत परियोजनाएं और अन्य निर्माण गतिविधियां भी भूकंपीय गतिविधियों को उत्तेजित कर सकती हैं। इन गतिविधियों से भूमि के भीतर दबाव बढ़ता है, जिससे भूकंप के झटके महसूस हो सकते हैं। उत्तराखंड और हिमालयी क्षेत्र में पिछले लगभग 100 वर्षों से अधिक समय से कोई बड़ा भूकंप (8.0 तीव्रता का) नहीं आया है। हिमालय क्षेत्र में आखिरी बार 8.0 तीव्रता का बड़ा भूकंप 1934 (नेपाल-बिहार भूकंप) और 1950 (असम भूकंप) में आया था। यह स्थिति ‘सेस्मिक गैप’ कहलाती है। भूविज्ञानियों के अनुसार इस गैप के कारण बड़ी मात्रा में भूगर्भीय ऊर्जा संचित हो रही है।

इस ऊर्जा के लंबे समय तक रिलीज न होने से भविष्य में बड़े भूकंप की संभावना बढ़ गयी है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाये तो 1803 में गढ़वाल में भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 7.5 से अधिक थी और इसने व्यापक तबाही मचाई थी। उसके बाद भयंकर अकाल पड़ा। इसके बाद 1905 में कांगड़ा भूकंप आया जिसकी तीव्रता 7.8 थी, उसने भी हिमालय क्षेत्र में बड़ी तबाही मचाई। सन 1950 के असम-तिब्बत भूकंप की तीव्रता 8.6 थी। यह हिमालय में दर्ज सबसे बड़ा भूकंप था, लेकिन उत्तराखंड इससे बचा रहा। उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्र लगभग 100 वर्षों से बड़े भूकंप से अछूते हैं, जिससे वैज्ञानिक मानते हैं कि इस ‘सेस्मिक गैप’ के कारण इतनी भूगर्भीय ऊर्जा संचित हो चुकी है कि जो एक साथ बाहर निकल गयी तो विध्वंसकारी हो सकती है। फलत:, भूकंप-रोधी तकनीकों का उपयोग और आपदा प्रबंधन की तैयारियां अत्यंत आवश्यक हैं। भारत सरकार ने ‘भारतीय मानक 1893’ जैसे निर्माण मानकों को लागू किया है, जो भूकंप-रोधी संरचनाओं के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इसके अलावा विभिन्न वैज्ञानिक शोधों के माध्यम से कुछ भूकंपीय गतिविधियों का पूर्वानुमान किया जा सकता है। इसके लिए उपग्रहों और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। भारत में भूकंपीय नेटवर्क को मजबूत करना और इससे जुड़ी चेतावनी प्रणालियों को विकसित करना महत्वपूर्ण है। भूकंप की स्थिति में नागरिकों को किस तरह से प्रतिक्रिया करनी चाहिए, यह जानना अत्यधिक आवश्यक है। स्कूलों, कार्यालयों और समुदायों में भूकंप सुरक्षा को लेकर नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास आयोजित करना चाहिए। इसके अलावा, भूकंप-रोधी किट्स जैसे पानी, भोजन, प्राथमिक चिकित्सा सामग्री और अन्य जरूरी सामान को तैयार रखना चाहिए। हिमालयी क्षेत्रों में सड़कों, पुलों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की मजबूती को बढ़ाना चाहिए, ताकि भूकंप के दौरान इनका गिरना या क्षतिग्रस्त होना कम हो। साथ ही, पुराने ढांचों की मरम्मत और पुनर्निर्माण जरूरी है।

कम कैलोरी बर्न होना

महिलाएं जब घर के काम ज्यादा करती हैं तो उनको लगता है कि वे तो ज्यादा कैलोरी बर्न कर रही हैं, जबकि ऐसा नहीं होता। नेहा रोजाना सुबह घर की साफ-सफाई में दो घंटे लगाती है। बावजूद इसके वह मनचाहा वजन कम नहीं कर पा रही। ऐसा नहीं है कि घर के कामों से शारीरिक गतिविधियां नहीं होती और शरीर की चर्बी कम नहीं होती। घर के कामों से भी कैलोरी बर्न होती है, लेकिन इतनी ज्यादा नहीं, जितनी आप साधारण वर्कआउट करके कम कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, आधे घंटे तक वैक्यूम करने से 130 कैलोरी कम होती है, जबकि आधा घंटे तक साइकिल चलाने से आप 400 कैलोरी तक कम कर सकती हैं।

अंतर भी जान लें

घरेलू काम और व्यायाम, दोनों में कार्य की जरूरत होती है, लेकिन इन दोनों का प्रकार भिन्न होता है। व्यायाम शारीरिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि घरेलू काम का मुख्य उद्देश्य घर की सफाई और व्यवस्था बनाए रखना है। व्यायाम घरेलू काम की तुलना में अधिक कैलोरी जलाता है। व्यायाम के दौरान हृदय दर के साथ-साथ शरीर के विभिन्न हिस्सों की मांसपेशियों को आवश्यक रूप से काम करना पड़ता है, जिससे अधिक कैलोरी जलती है। घरेलू काम करते समय आप आराम की स्थिति में रह सकती हैं, जबकि व्यायाम करते समय आपको सुस्ती को त्यागना पड़ता है।

घर के कामकाज को महिलाएं न समझें व्यायाम

एक्सरसाइज का विकल्प नहीं

झाड़ू-पोंछा, बर्तन धोना और बागवानी जैसे काम केवल शारीरिक सक्रियता का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह उसका स्थान नहीं ले सकते। व्यायाम का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि नियमित व्यायाम से दिल के स्वास्थ्य में सुधार होता है, शारीरिक क्षमता बढ़ती है और मानसिक स्वास्थ्य सुधरता है। वॉकिंग, गार्डनिंग या घर के कामों को व्यायाम के साथ मिलाकर किया जा सकता है, जिससे शारीरिक सक्रियता में वृद्धि हो। इसलिए घरेलू काम को व्यायाम का अच्छा उपाय मानने के बजाय नियमित व्यायाम करना उचित है। घरेलू काम जरूरी हैं, मगर वे व्यायाम का विकल्प नहीं हो सकते। इसलिए महिलाएं नियमित व्यायाम को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का प्रयास करें, ताकि वे स्वस्थ और सुखमय जीवन जी सकें।

रोजाना घरेलू कामकाज करते हुए पसीने से तर-ब-तर हो जाती हैं और थकान भी अधिक होती है? क्या आप भी अन्य महिलाओं की तरह ही फिट रहने के लिए थका देने वाले घरेलू कामकाज को पर्याप्त व्यायाम का विकल्प मानती हैं? इसमें कोई संदेह नहीं कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले ज्यादा कामकाज करती हैं। लेकिन अगर वे एक-दो काम ज्यादा करें या तेजी से करें तो इससे उनका रोजाना का व्यायाम स्तर पूरा नहीं होता। इसलिए पहले खुद के लिए समय निकालो और फिर बाकी कार्य करो तो तुम ज्यादा एनर्जी लेवल के साथ काम पूरा कर पाओगी। घर के काम पूरी तरह से व्यायाम का विकल्प नहीं हैं। आपको रोजाना कुछ समय किसी अन्य गतिविधि में भी शामिल होना चाहिए, जिससे आपको दोनों तरह के व्यायाम का फायदा मिल सके और आप स्वस्थ रहें।

अन्य गतिविधियां भी जरूरी

कसरत का रूप दें

घर के कामकाज को व्यायाम का विकल्प तभी मानें, जब उन कार्यों को करते समय कसरत का एक रूप दिया जाए। उदाहरण के लिए, जब महिला घर में पोछा लगाती है तो एक विशेष पोजीशन में बैठने से योग की भाषा में उदर आकर्षण आसन, जिसमें पैर के पंजे, एड़ी और घुटनों की पोजीशन इस प्रकार से होती है कि एक घुटना और दूसरे पैर का तलवा और पंजा आगे-पीछे रहते हैं। इस आसन से कंधे और हाथों की कसरत होती है तथा लीवर और पेट स्वस्थ होते हैं। वजन भी कंट्रोल होता है। सब्जी काटते समय पैरों को फैलाकर बैठने और उनके बीच कुछ गैप रखने से जांघों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। यदि महिला कपड़ों को हाथ से निचोड़ती है तो यह क्रिया, वेट ट्रेनिंग का काम करती है और हाथों की मसल्स को टोन अप करती है। आटा गूंथते समय भी हाथों के जोड़ों की एक्सरसाइज होती है, लेकिन अगर आटा जमीन पर बैठकर मला जाए तो घुटने की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं।

हंसना मना है

लड़का-कहां जा रही हो? लड़की- आत्महत्या करने। लड़का- तो इतना मेकअप क्यूं किया है? लड़की- अनपढ़, कल न्यूजपेपर में फोटो तो आएगी ना।

यात्री (अखबार पढ़ते- पढ़ते)- अरे भाई कुली, मुझे उस डिब्बे मैं बिठाना, जहां बाते करने वाला कोई न हो ताकि मैं अखबार पढ़ सकूं। कुली(बाबू जी) -आप चिन्ता न करें, मैं आपको माल गाड़ी के डिब्बे में बिठाऊंगा।

संता ने लड़की को प्रपोज किया- क्या तुम मुझसे शादी करोगी? लड़की-तमीज से बात करो। संता- बहन जी, क्या आप मुझसे शादी करेंगी?

इश्क में ये अंजाम पाया है, हाथ पैर टूटे, मुंह से खून आया है! हॉस्पिटल पहुंचे तो नर्स ने फरमाया बहारों फूल बरसाओ, किसी का आशिक़ आया है!

प्रेमिका- तुम तो बस काम में लगे रहते हो! मेरी तो परवाह ही नहीं करते! प्रेमी- एक बात तुम गौर से सुन लो! प्यार करने वाले किसी की परवाह नहीं करते!

कहानी | साधु और चूहा

एक गांव में एक साधु मंदिर में रहा करता था। उनकी दिनचर्या रोजाना प्रभु की भक्ति करना और आने-जाने वाले लोगों को धर्म का उपदेश देना थी। गांव वाले भी जब भी मंदिर आते, तो साधु को कुछ न कुछ दान में दे जाते थे। इसलिए, साधु को भोजन और वस्त्र की कोई कमी नहीं होती थी। रोज भोजन करने के बाद साधु बचा हुआ खाना छींके में रखकर छत से टांग देता था। कुछ दिन बाद वह जो खाना छींके में रखता था, गायब हो जाता था। साधु ने परेशान होकर इस बारे में पता लगाने का निर्णय किया। उसने रात को दरवाजे के पीछे से छिपकर देखा कि एक छोटा-सा चूहा उसका भोजन निकालकर ले जाता है। दूसरे दिन उन्होंने छींके को और ऊपर कर दिया, ताकि चूहा उस तक न पहुंच सके, लेकिन यह उपाय भी काम नहीं आया। उन्होंने देखा की चूहा भोजन निकाल लेता था। एक दिन उस मंदिर में एक भिक्षुक आया। उसने साधु की परेशानी का कारण पूछा, तो साधु ने भिक्षुक को पूरा किस्सा सुना दिया। भिक्षुक ने साधु से कहा कि सबसे पहले यह पता लगाना चाहिए कि चूहे में इतना ऊंचा उछलने की शक्ति कहां से आती है। उसी रात भिक्षुक और साधु दोनों ने मिलकर पता लगाना चाहा कि आखिर चूहा भोजन कहां ले जाता है। दोनों ने चुपके से चूहे का पीछा किया और देखा कि मंदिर के पीछे चूहे ने अपना बिल बनाया हुआ है। चूहे के जाने के बाद उन्होंने बिल को खोदा, तो देखा कि चूहे के बिल में खाने-पीने के सामान का बहुत बड़ा भण्डार है। तब भिक्षुक ने कहा कि इसी वजह से ही चूहे में इतना ऊपर उछलने की शक्ति आती है। उन्होंने उस सामग्री को निकाल लिया और गरीबों में बांटा दिया। जब चूहा वापस आया, तो उसने वहां पर सब कुछ खाली पाया, तो उसका पूरा आत्मविश्वास समाप्त हो गया। उसने सोचा कि वह फिर से खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेगा। यह सोचकर उसने रात को छींके के पास जाकर छलांग लगाई, लेकिन आत्मविश्वास की कमी के कारण वह नहीं पहुंच पाया और साधु ने उसे वहां से भगा दिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष परिवार में किसी को आज वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। समय की अनुकूलता मिलेगी।

वृषभ प्रसन्नतापूर्वक समय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे।

सिंह व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। घर में सुख-शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कन्या व्यापार में प्रसन्नतापूर्वक समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा। लंबी यात्रा की इच्छा रहेगी। व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा।

तुला व्यापार की यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है।

धनु यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी से बचें।

कुम्भ घर में सुख-शांति बनी रहेगी। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। निवेश शुभ रहेगा। अध्यात्म में रुचि रहेगी।

मीन आज भाईयों को कारोबार से लाभ होगा, लेकिन किसी भी तरह के धन निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

'बेबी जॉन' तमिल फिल्म 'थेरी' की रीमेक थी इसीलिए फ्लॉप हुई : राजपाल यादव

वरुण धवन की एक्शन फिल्म 'बेबी जॉन' का बॉक्स ऑफिस पर बेहद खराब प्रदर्शन कर रही है। क्रिसमस पर रिलीज हुई फिल्म की कमाई लाखों में सिमट चुकी है। 160 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक 50 करोड़ का भी कलेक्शन नहीं किया है। फिल्म के प्रदर्शन पर वरुण धवन ने अभी भी चुप्पी साधी है, लेकिन उनके को-स्टार राजपाल यादव ने इस खुलकर बात की है। बेबी जॉन' में अहम भूमिका निभाने वाले राजपाल यादव ने फिल्म के प्रदर्शन को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि फिल्म अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं कर पाई। राजपाल यादव ने बॉलीवुड बबल से बातचीत में कहा कि 'बेबी जॉन' हर तरह से एक अच्छी फिल्म थी, लेकिन यह सफल नहीं हुई, क्योंकि यह तमिल फिल्म 'थेरी' की रीमेक थी। राजपाल ने कहा, अगर यह रीमेक नहीं होती, तो यह मेरे 25 साल के करियर की सबसे अच्छी फिल्म होती, लेकिन चूंकि विजय ने इसे बनाया था, इसलिए दर्शक इसे पहले ही देख चुके थे। चूंकि यह रीमेक थी, इसलिए इसने फिल्म के बॉक्स ऑफिस को प्रभावित किया। राजपाल यादव से जब पूछा गया कि क्या वरुण 'बेबी जॉन' की बॉक्स ऑफिस असफलता से निराश हैं? तो राजपाल ने कहा, वरुण बहुत प्यारा लड़का है, बहुत मेहनती है। उसने हमेशा कुछ अलग करने की कोशिश की है, और उसके प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए क्योंकि जोखिम उठाना बहुत बड़ी बात है। फिल्म में राजपाल यादव ने वरुण के किरदार, डीसीपी सत्य वर्मा के डिप्टी कांस्टेबल राम सेवक की भूमिका निभाई है। दर्शकों का प्यार भले ही ना मिला हो, लेकिन समीक्षकों ने राजपाल की प्रशंसा की, खासकर उस दृश्य के लिए जिसमें उन्होंने अपने करियर में पहली बार एक्शन करने की कोशिश की।

'गृह लक्ष्मी' का ट्रेलर रिलीज

पहली बार एक्शन अवतार में नजर आयीं हिना खान

टीवी की मशहूर अभिनेत्री हिना खान ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। वह एक बड़े हौसले के साथ तीसरे स्टेज के कैंसर से बहादुरी के साथ जंग लड़ रही हैं। इस गंभीर बीमारी से जूझते हुए भी अभिनेत्री ने काम करना बंद नहीं किया है। उनके फैंस के लिए अच्छी खबर है। अभिनेत्री की आगामी वेब सीरीज 'गृह लक्ष्मी' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर में एक्ट्रेस रियल लाइफ की ही तरह एक बहादुर महिला का किरदार निभाते हुए नजर आ रही हैं। वह पहली बार एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं।

16 जनवरी को होगी रिलीज

निर्माताओं ने वेब शो के ट्रेलर के साथ 'गृह लक्ष्मी' के स्ट्रीम होने की तारीख का भी ऐलान कर दिया है। हिना की इस थ्रिलर सीरीज को 16 जनवरी, 2025 को एपिक ऑन' पर स्ट्रीम किया जाएगा।

'गृह लक्ष्मी' के एक मिनट 18 सेकंड के ट्रेलर में हिना खान एक्शन मोड में नजर आईं। ट्रेलर को देखकर लगता है कि यह हिना के किरदार के बदले की कहानी है। ट्रेलर में अभिनेत्री कह रही हैं, 'जब एक औरत बदला लेने निकलती है तो सब कुछ बर्बाद कर देती है।' ट्रेलर में उनके नौकरानी से लेकर रानी बनने तक के खूंखार सफर को दिखाया गया है। अपने दुश्मनों को जमकर हराने के बाद, हिना का किरदार चिल्लाता हुआ दिखाई देता है, नौकरानी नहीं, रानी हूं मैं!

'गृह लक्ष्मी' में हिना खान के अलावा कई दिग्गज कलाकार शामिल है। आगामी क्राइम थ्रिलर सीरीज में चंकी पांडे, राहुल देव और दिव्येंदु भट्टाचार्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस सीरीज में हिना खान का अलग रूप दिखाई देने वाला है। वह पर्दे पर पहली बार एक्शन करते नजर आएंगी। हिना के फैंस उन्हें नए अवतार में देखने के लिए बेसब्र हैं।

कहो ना प्यार है की री-रिलीज को लेकर उत्साहित हैं अमीषा पटेल

कहो ना प्यार है को ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज किया जा रहा है, जिस पर अब अभिनेत्री अमीषा पटेल ने भी अपनी खुशी जाहिर के है।

रोमांटिक फिल्म कहो ना प्यार है फिल्म को सुपरस्टार ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज किया जाएगा, जो फिल्म की 25वीं वर्षगांठ से चार दिन पहले है। राकेश रोशन द्वारा निर्देशित कहो ना प्यार है 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई थी। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म से ऋतिक और अमीषा पटेल ने रातों-रात लोकप्रियता और स्टारडम हासिल कर लिया। अब अमीषा ने इसकी री-रिलीज

को लेकर उत्साह साझा किया है।

इसकी री-रिलीज के लिए मैं खुद बहुत उत्साहित हूं। बड़े पर्दे पर मैंने खुद 25 साल से फिल्म नहीं देखी है। मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मैं उन फिल्मों का हिस्सा हूं, जो फ्रेंचाइजी में बदलीं और अब री-रिलीज हो रही हैं, जिन्हें फैंस बड़े पर्दे पर दोबारा देखना चाह रहे हैं। मैं खुश हूं कि मैं उन फिल्मों का हिस्सा रही हूं। अब निर्माता और निर्देशक दोबारा उन यादों को सिनेमाघरों में ला रहे हैं।

अमीषा पटेल ने कहो ना प्यार है की रिलीज का पहला दिन याद किया और उसका दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। अभिनेत्री ने कहा कि जब कहो ना प्यार है रिलीज हुई थी तो मैं और ऋतिक इरोस थिएटर गए थे फिल्म देखने के लिए, क्योंकि हमें दर्शकों का रिएक्शन देखना था। इंटरवल से पहले ऋतिक ने कहा कि चलो हम सैंडविच और कोल्ड्रिंक पीकर आते हैं तो हम इंटरवल से पहले निकल गए।

अमीषा ने आगे कहा कि हम बाहर खड़े थे, लेकिन हम ना खा पाए न फिल्म देख पाए, क्योंकि सभी दर्शक एकदम से हमारे ओर आ गए। वो हमसे ऑटोग्राफ चाहते थे, हमारे साथ फोटोग्राफ लेना चाहते थे। उन्होंने हमारी तारीफ की, तब हमें महसूस हुआ कि हम रातोंरात मशहूर हो गए हैं और हमें नेशनल क्रश कहा गया। वो बहुत अच्छा अहसास था।

फिल्म के सीक्वल पर क्या बोलीं अभिनेत्री

फिल्म के सीक्वल को लेकर अमीषा पटेल ने कहा कि इसका जवाब ऋतिक रोशन और राकेश रोशन ही दे सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं इस बात की गारंटी दे सकती हूं कि यदि कहो ना प्यार है 2 आती है तो वह सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है एक किडनी वाला गांव

इस गांव में ज्यादातर लोगों के है एक ही किडनी, इसके पीछे की हकीकत दर्दनाक!

ईश्वर ने शरीर के इंसान में कुछ अंग दो दिए दिए हैं। अगर इनमें से एक खराब भी हो जाए तो दूसरे के सहारे व्यक्ति जिंदा रह सकता है। ऐसे ही अंगों में से एक अंग है इंसान की किडनी। अगर किसी व्यक्ति की एक किडनी खराब भी हो जाए तो दूसरी किडनी के सहारे वह जिंदा रह सकता है। वहीं दुनिया में एक ऐसा गांव भी है, जहां रहने वाले ज्यादातर लोगों के एक ही किडनी है। इसे एक किडनी वाला गांव भी कहा जाता है। यहां एक दो नहीं बल्कि सैंकड़ों लोग ऐसे हैं, जो एक किडनी के सहारे ही जी रहे हैं।

यह अनोखा गांव अफगानिस्तान के हेरात शहर के पास मौजूद है और इसका नाम शेनशायबा बाजार है। इस गांव को एक किडनी वाले गांव के नाम से भी जाना जाता है। यहां रहने वाले ज्यादातर लोग सिर्फ एक किडनी पर जिंदा हैं। ऐसा नहीं है कि जन्म से ही इनके एक ही किडनी है। इनमें से ज्यादातर लोगों ने अपनी एक किडनी बेच दी है।

दरअसल, अफगानिस्तान के इस गांव में गरीबी बहुत ज्यादा है। ऐसे में यहां के लोगों को

अपने खाने की प्लेट और शरीर के अंगों में से किसी एक को चुनना होता है। अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद यहां के हालात बद से बदतर हो गए हैं। ऐसे में यहां के लोगों ने अपने परिवार का पेट भरने के लिए शरीर के अंग बेचने शुरू कर दिए। इसी वजह से इस गांव के ज्यादातर लोग अपनी किडनी बेच चुके हैं। किडनी बेचने से मिले पैसों से उन्होंने अपने कर्ज चुकाए और परिवार के खाने का इंतजाम किया। ब्लैक मार्केट में किडनी बेचना यहां के लोगों के लिए आम बात हो चुकी है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस गांव के ज्यादातर पुरुष और महिलाएं अपनी किडनी बेच चुके हैं। यहां अगर डोनर लिखित में अपनी किडनी निकालने की इजाजत देता है तो किडनी निकालने में कोई गुरेज नहीं होता। रिपोर्ट के अनुसार, एक किडनी लगभग 2 लाख 21 हजार रुपए यानि 250,000 अफगानी मुद्रा में बिकती है। वहीं जिन लोगों ने किडनी बेची है, उनमें से ज्यादातर लोगों का कहना है कि उन्हें कभी-कभार पछतावा होता है क्योंकि वे अब ज्यादा काम नहीं कर सकते और दर्द भी होता है।

लोगों को गले लगाकर कमाई करती है ये महिला, 3100 से 6100 रुपये तक करती है चार्ज

हाल ही में एक महिला के चर्चे होने लगे, जिसने अजीबोगरीब बिजनेस शुरू किया है। ये महिला अंजान लोगों को गले लगाकर कमाई करती है। हालांकि, इस सेशन के दौरान अगर कोई व्यक्ति गलत हरकत करने की कोशिश करता है, तो महिला उन्हें सजा भी देती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार एलेक्सैंड्रा कासपेरक पोलैंड की रहने वाली हैं। उन्होंने 2023 में कैटोवाइस शहर में एक कडलिंग सैलून की शुरुआत की थी। ये एक प्रोफेशनल कडलिंग सैलून है, जिसमें ग्राहक गले लगने के लिए आते हैं। जी हां, एलेक्सैंड्रा अंजान लोगों को अपने इस सैलून में बुलाती हैं और फिर उन्हें गले लगाती हैं। उनके ग्राहक वो लोग होते हैं जो अकेलेपन से जूझ रहे हैं और जिन्हें इंसानी स्पर्श की जरूरत होती है। उनके इस सैलून का नाम ड्ढह्वद्द हस क्क54ह्लद्धद्वह्वड्डद्व है। जब एलेक्सैंड्रा ने सैलून की शुरुआत की थी, तब उन्हें नहीं लगा था कि इतने लोग उनके बिजनेस की सर्विस लेना चाहेंगे। पर अब भीड़ इतनी होने लगी है कि लोगों को कुछ दिनों पहले से ही बुकिंग करानी पड़ती है। लोग जब आते हैं तो पहले उन्हें एक वेलकम हग दिया जाता है। उसके बाद महिला अपने कस्टमर्स से पूछती है कि उन्हें क्या समस्याएं हैं, कहीं उनकी नाक तो नहीं बह रही, उन्होंने शराब तो नहीं पी, या किसी नशीले पदार्थ का सेवन तो नहीं किया। जब वो ये सुनिश्चित कर लेती हैं कि ग्राहक सेफ है, तो वो उन्हें शावर लेने को कहती हैं और उन्हें अलग कपड़े पहनने को देती हैं। इसके बाद वो उन्हें अलग कमरे में लाती हैं, जहां वो पहले हाथ मिलाने से शुरू करती हैं और फिर उन्हें गले लगा लेती हैं। ये पूरा सेशन 1 या 2 घंटों का होता है। ये बिल्कुल प्रोफेशनली अंजाम दिया जाता है। गले लगाने की इस क्रिया में आपत्तिजनक कुछ भी नहीं होता। हालांकि, अगर कोई ग्राहक गलत हरकत करने की कोशिश करता है, तो वो एलेक्सैंड्रा सजा के रूप में फौरन सेशन को बंद कर देती हैं और उन्हें वहां से जाने को बोलती हैं। 1 घंटे के वो 3100 रुपये और 2 घंटे के 6100 रुपये चार्ज करती हैं। गले लगाने का ये सेशन खास तरह के सजे हुए कमरे में किया जाता है, जहां परफ्यूम, सजावट की अन्य चीजें, सॉफ्ट टॉय आदि मौजूद रहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार महिला के क्लायंट अधिकतर 40 से 60 साल की उम्र के बीच वाले लोग हैं। पुरुष ही नहीं, महिलाएं भी उनकी इस सेवा का फायदा उठाती हैं।

महाकुंभ में अडानी-इस्कॉन की 'महाप्रसाद सेवा'

2 बड़े किचन, 40 स्थानों से 2,500 वालंटियर देंगे अपनी सेवाएं

» लाखों श्रद्धालुओं को मिलेगा निःशुल्क भोजन

» बुजुर्गों और बच्चों के लिए गोल्फ वाली गाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ के दौरान अडानी ग्रूप और धार्मिक संस्थान इस्कॉन ने मिलकर 'महाप्रसाद सेवा' शुरू करने का फैसला किया है। यह सेवा 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगी जिसमें महाकुंभ में आने वाले 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। दिव्यांगों, बुजुर्गों और बच्चों वाली माताओं के लिए गोल्फ वाली गाड़ी की व्यवस्था भी की गई है।

इस सेवा के तहत मेला क्षेत्र और उसके आसपास दो बड़े किचन बनाए गए हैं और भोजन वितरण के लिए 40 स्थान निर्धारित किए गए हैं। इस आयोजन में 2,500 वालंटियर अपनी सेवाएं देंगे। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण चेतना सोसायटी के प्रमुख प्रचारकों में से एक गुरु प्रसाद स्वामी ने कहा, अदाणी समूह हमेशा से कॉरपोरेट जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा का एक शानदार उदाहरण रहा है। इस्कॉन ने इस महाप्रसाद सेवा के अलावा महाकुंभ के दौरान गीता सार की 5 लाख प्रतियां श्रद्धालुओं के बीच बांटने की योजना बनाई है। इसके साथ ही दिव्यांग, बुजुर्ग, और छोटे बच्चों के साथ आने वाली माताओं के लिए गोल्फ कार्ट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इस्कॉन के चेयरमैन गुरु प्रसाद स्वामी जी ने अदाणी ग्रूप की सामाजिक सेवा की सराहना करते हुए कहा कि गौतम अडानी का निस्वार्थ सेवा भाव हर किसी को मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करता है। महाकुंभ में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु आते हैं, और अडानी ग्रूप तथा इस्कॉन की यह पहल इस बार के आयोजन को और भी खास बनाएगी। यह सेवा न केवल श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक होगी बल्कि सेवा और समर्पण की एक मिसाल भी पेश करेगी।

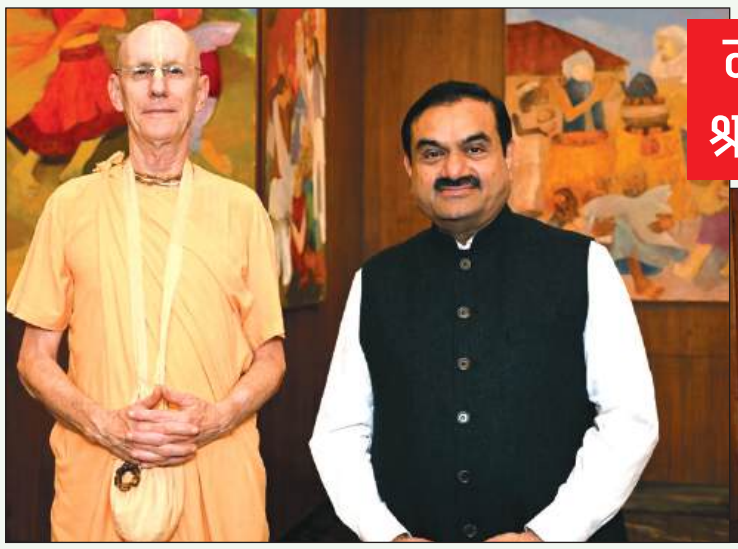

गीता सार की 5 लाख प्रतियां श्रद्धालुओं के बीच होंगी वितरित

> दिव्यांग, बुजुर्ग, और छोटे बच्चों के साथ आने वाली माताओं के लिए गोल्फ कार्ट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इस्कॉन के चेयरमैन गुरु प्रसाद स्वामी जी ने अदाणी ग्रूप की सामाजिक सेवा की सराहना करते हुए कहा कि गौतम अडानी का निस्वार्थ सेवा भाव हर किसी को मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करता है।

सेवा ही है राष्ट्रभक्ति और ईश्वर की पूजा का सर्वोच्च स्वरूप : गौतम अडानी

अडानी ग्रूप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने इस पहल को लेकर अपनी खुशी व्यक्त की और सोशल मीडिया पर लिखा, महाकुंभ सेवा और परमार्थ की तपोभूमि है। हम इस्कॉन के साथ मिलकर मां अन्नपूर्णा के आशीर्वाद से लाखों श्रद्धालुओं को भोजन उपलब्ध कराएंगे। सेवा ही राष्ट्रभक्ति और ईश्वर की पूजा का सर्वोच्च स्वरूप है। उन्होंने इस्कॉन के गुरु प्रसाद स्वामी जी से मुलाकात कर इस सेवा के प्रति अपने समर्पण को व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मां अन्नपूर्णा के आशीर्वाद से लाखों श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। आज मुझे इस्कॉन के गुरु प्रसाद स्वामी जी से मिलने का अवसर मिला और मैंने सेवा के प्रति समर्पण की शक्ति को गहराई से अनुभव किया।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शमी ने ठोका दावा

» विजय हजारे ट्रॉफी में तेज गेंदबाज ने बिखेरा जलवा

» हरियाणा के खिलाफ झटके तीन विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम घोषित होने से पहले विजय हजारे ट्रॉफी के प्रीलिमिनेरी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अपना दम दिखाया। शमी ने हरियाणा के खिलाफ तीन विकेट झटके और एक बार फिर अपनी फॉर्म साबित की। हालांकि, उनका यह स्पैल भी बंगाल को जीत नहीं दिला सका और हरियाणा ने यह मुकाबला 72 रनों से अपने नाम किया।

बंगाल ने टॉस जीतकर हरियाणा को पहले बल्लेबाज का न्योता दिया और शमी की अगुआई में बंगाल के गेंदबाजों ने उम्दा प्रदर्शन किया। इसके बावजूद हरियाणा निशांत सिंधू के 64 रन और पार्थ वत्स के 62 रनों के दम पर 50 ओवर में नौ विकेट पर 298 रन बनाने में सफल रहा। जवाब में बंगाल के लिए सलामी बल्लेबाज ने अभिषेक पोरेल ने 57 रनों की पारी खेली, लेकिन पूरी टीम 43.1 ओवर में 226 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत में 2023 में खेले गए वनडे विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले शमी की नजरें अगले महीने होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने पर हैं। इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज भी होनी है, ऐसे में चयनकर्ता मैच फिटनेस को देखते हुए इस सीरीज के लिए शमी का चयन कर सकते हैं। शमी ने हरियाणा के खिलाफ अपने कोटे के पूरे 10 ओवर गेंदबाजी की और 61 रन देकर तीन विकेट लिए। शमी इससे पहले रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी प्रभावित कर चुके हैं।

इंग्लैंड-आफ्रीका ने की अफगान के चैंपियंस ट्रॉफी से बहिष्कार की मांग

जोहानिसबर्ग। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के लिए मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले इंग्लैंड के राजनेताओं ने चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान के साथ मैच नहीं खेलने की मांग की थी और अब दक्षिण अफ्रीका के खेल मंत्री गेटोन मैकेंजी ने इस टूर्नामेंट में अफगानिस्तान का बहिष्कार करने की अपील कर दी है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में होना है। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान के ही ग्रूप में शामिल हैं। बता दें तालिबान की 2021 में सत्ता में वापसी के बाद से खेल में महिलाओं की भागीदारी को प्रभावी रूप से गैरकानूनी घोषित कर दिया गया। यह फैसला आईसीसी के नियमों का उल्लंघन भी है, लेकिन अफगानिस्तान को आईसीसी की प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति है।

सामूहिक हत्याकांड से दहला मेरठ

» एक ही परिवार के पांच सदस्यों की हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। पांच लोगों की सामूहिक हत्या से गुरुवार देर रात क्षेत्र में सनसनी फैल गई। आज एक ही परिवार के पांच जनाने घर से उठेंगे। इस हत्याकांड को बेहद ही क्रूरता से अंजाम दिया गया था। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के 15 फुटा रोड पर मोईन व उसके परिवार का शव बेड के अंदर पड़ा हुआ मिला। इस दौरान घर के मुख्य दरवाजे का ताला लगा हुआ था। देवरानी नजराना ने बताया कि वह बुधवार शाम बच्चों से मिली थी। छोटी बेटी एक अलीजबा की तबीयत खराब थी। नजराना ने बताया कि आसमा उसकी जेठानी थी।

उसके जेठ मूल रूप से रुड़की के पुसाना गांव के रहने वाले थे। जेठ गांव की जमीन बेचकर एक साल पूर्व 15 फुटा रोड पर प्लॉट लिया था। लगभग डेढ़ महीना पूर्व ही उन्होंने मकान बनाना शुरू किया था। पड़ोस में ही उनके मकान पर कुछ दिन पूर्व लेंटर डला था। गुरुवार सुबह उठी तो देखा कि मकान पर ताला लगा हुआ है। जब देर शाम तक मकान का ताला नहीं खुला तो परिजनों को चिंता हुई थी। जिसके बाद परिजनों ने छत से जाकर देखा तो घर के अंदर लाशे बिखरी हुई थी। अंदर का नजारा देखकर परिजनों के होश उड़ गए थे। हापुड़ में रहने वाला आसमा का भाई शफीक भी देर रात बदहवास हालत में मौके पर पहुंचा। पुलिस के अनुसार, मोईन की तीन शादी हुई थी। करीब 15 साल पहले उसने पहली शादी जफरा नाम की लडक़ी से की। एक बेटी इलमा को जन्म देने के बाद जफरा की मौत हो गई। दूसरी शादी 11 साल पहले मोईन ने नारा से की, लेकिन आए दिन के झगड़ों के बाद उसका तलाक हो गया। फिर मोईन ने आसमा से शादी की। आसमा पहले से शादीशुदा थी। मोईन और आसमा के तीन बेटियां हुईं।

पारिवारिक विवाद के चलते हुई हत्या

पुलिस ने पांचों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा परिवार के शव पोस्टमार्टम पर भेजने के बाद पुलिस ने मोईन के 20 परिवार के लोगों से पूछताछ की है। मकान निर्माण के साथ-साथ मोईन ने लिसाड़ीगेट में एक प्लॉट भी खरीदा था। जिसको लेकर परिवार के बीच विवाद भी हुआ था। पुलिस का अंदेशा कि पारिवारिक विवाद में हत्या का कारण हो सकता है। देर रात पुलिस ने पांचों शव के पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी। मेडिकल, लिसाड़ीगेट, लोहियानगर व नौचंदी थाना पुलिस की ड्यूटी लगा दी है।

रोडवेज बस और ट्रक की भीषण टक्कर में दो की मौत

» ओवरटेक के चक्कर में सामने से आ रहे ट्रक से हुई भिड़ंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के सरैया कमौरा गांव के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में परिचालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर भेजा गया, जहां से चालक को सुलतानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गयी।

बता दें कि सुबह लगभग साढ़े आठ बजे सुलतानपुर डिपो की अनुबंधित बस शाहगंज जा रही थी। जैसे ही बस सरैया कमौरा गांव के पास ओवरटेक करने के लिए मुड़ी, सामने से आ रहे ट्रक से उसकी भीषण भिड़ंत हो गई। इस टक्कर में परिचालक सौरभ तिवारी व चालक इरशाद खान की मौत हो गयी है।

राजनीतिक फाइटर की तरह जिये पूर्व सपा नगर अध्यक्ष बबलू

» समाजवादी पार्टी के नीव के पत्थर मुजीबुर्रहमान ने की आत्महत्या

» लंबे समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ से समाजवादी पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान बबलू ने कैंसर से पीड़ित हो कर लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मार कर आत्महत्या कर ली है।

इस खबर ने लखनऊ के पालिटिक्ल मिजाज को गर्म कर दिया है। किसी को भी यकीन नहीं आ रहा कि बबलू ऐसा कर सकते हैं। 51 वर्षीय बबलू हार्टकोर सपाई थे और एक फाइटर की तरह उनका पालिटिक्ल कैरियर रहा। लखनऊ के मौलवीगंज स्थित रस्सी बटान के रहने वाले बबलू पिछले दो वर्षों से लीवर के कैंसर से पीड़ित थे। उनका इलाज चल रहा था।

बबलू को करीब से जानने वाले और उनके सोशल मीडिया एकांउट के जरिये किये गये पोस्ट से जाहिर होता है कि बबलू कैंसर से अच्छी तरह से लड़ रहे थे। पिछले दिनों जब उनका कीमो चल रहा था तो उन्होंने बाकायदा उस प्रक्रिया को सोशल मीडिया के जरिये अपने समर्थकों तक पहुंचाया था। बबलू ने सपा के प्रत्येक आंदोलन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। सपा नेता फाकिर सिद्दीकी ने उनके निधन पर कहा कि एक सच्चा कार्यकर्ता एक बढ़िया लीडर हमारे बीच से चला गया।

वजीरगंज पुलिस ने बताया कि उन्होंने अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से सर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। इस सूचना पर पुलिस बल मौके पर मौजूद है। जांच के साथ आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। आत्महत्या से पहले मुजीबुर्रहमान बबलू ने एक वॉट्सएप ग्रुप में लिखा था कि आप सभी की मोहब्बत का बहुत-बहुत शुक्रिया। दुआओं में याद रखें। अलविदा!

आप सरकार ने जितना काम किया किसी और सरकार ने नहीं : अरविंद केजरीवाल

» केजरीवाल का दावा आम आदमी पार्टी की सरकार ने बेहतर काम किया

» बीजेपी का सिर्फ गाली देना काम रह गया है।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि भाजपा का काम सिर्फ मुझे गाली देना और धरना-प्रदर्शन करना है, इसलिए मैं अपने घर के बाहर परमानेंट टेंट लगवा देता हूं, ताकि भाजपा के लोग रोजाना वहां बैठें और बस बैनर बदल लें कि आज किस मुद्दे पर धरना देना है।

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि वह इलेक्शन कमीशन से यह शिकायत करने गये थे कि रोहिंग्या का बहाना बनाकर पूरी दिल्ली के अंदर भारतीय जनता पार्टी पूर्वांचलियों और दलितों के वोट कटवा रही है। यह खुद ही जेपी नड्डा साहब ने संसद के अंदर कबूल किया था कि हम पूर्वांचल और दलितों के वोट कटवा रहे हैं। मैं उसी की शिकायत करने के लिए गया था। उन्होंने कहा कि जितना काम आम आदमी पार्टी ने पूर्वांचल समाज के लिए किया है, आप देख लो। इलेक्शन में पूर्वांचल के लोगों को जितनी टिकट देते हैं, ये किसी से छिपा नहीं है।

कच्ची कॉलोनी के लिए क्या किया बीजेपी ने

पूर्व सीएम केजरीवाल के मुताबिक पूर्वांचल से आये ज्यादातर लोग कच्ची कॉलोनी में रहते हैं। कच्ची कॉलोनी के अंदर 2014 के पहले जीना मुश्किल था। नरक की जिंदगी थी। कीचड़ रहता था। कोई विकास नहीं था। सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के आदेश के मुताबिक वहां विकास नहीं हो सकता था। कच्ची कॉलोनी में 90 प्रतिशत से ज्यादा लोग पूर्वांचली रहते हैं। मैं भारतीय जनता पार्टी से पूछना चाहता हूं कि 10 साल के अंदर आपने कच्ची कॉलोनी के लिए क्या किया।

आप ने दिया लोगों को सम्मानजनक जीवन

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि भाजपा का काम सिर्फ मुझे गाली देना और धरना-प्रदर्शन करना है, इसलिए मैं अपने घर के बाहर परमानेंट टेंट लगवा देता हूं, ताकि भाजपा के लोग रोजाना वहां बैठें और बस बैनर बदल लें कि आज किस मुद्दे पर धरना देना है। रोहिंग्या का बहाना बनाकर पूरी दिल्ली के अंदर भारतीय जनता पार्टी पूर्वांचलियों और दलितों के वोट कटवा रही है। यह खुद ही जेपी नड्डा साहब ने संसद के अंदर कबूल किया था कि हम पूर्वांचल और दलितों के वोट कटवा रहे हैं। मैं उसी की शिकायत करने के लिए गया था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मुताबिक हमारी सरकार ने पूरी दिल्ली में सड़कें बनवाई, गलियां बनवाई, सीसीटीवी कैमरे लगवाए, नालियां बनवाई, सीवर के कनेक्शन दिए, पानी की पाइपलाइन डलवाई, अस्पताल बनवाए, मोहल्ला क्लीनिक बनवाया, स्कूल बनवाए। उनको इज्जत और सम्मान की जिंदगी दी है। आज जिन कच्ची कॉलोनी में 3,000 गज का रेट था 2015 में, आज वहां एक लाख रुपए ऊपर गज का रेट है और लोगों को सम्मान की जिंदगी मिली है। यह लोग गंदी राजनीति करते हैं। यह लोग काम नहीं करते हैं। बेरोजगारों के लिए यह लोग कोई भी काम नहीं करते, ना उनके लिए कोई योजना लाते हैं। बस इनका आम आदमी पार्टी और केजरीवाल को गालियां देने का काम है।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए 1.12 लाख करोड़ रुपये के गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स शो-कॉज नोटिस पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि इन नोटिस से जुड़े सभी मामले फिलहाल स्थगित रहेंगे जब तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया जाता। सुप्रीम कोर्ट ने इन कंपनियों से जुड़े मामलों को एक साथ जोड़ने का निर्देश दिया है। अब इन मामलों की अगली सुनवाई 18 मार्च, 2025 को होगी।

यह फैसला ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, क्योंकि इस पर कर अधिकारियों और कंपनियों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस विवाद का मुख्य मुद्दा ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी लागू करने की व्याख्या है। सरकार का कहना है कि 28 प्रतिशत जीएसटी पूरे एंट्री अमाउंट पर लगना चाहिए, जिसमें इनाम राशि (प्राइज पूल) भी शामिल होती है। वहीं, गेमिंग कंपनियों का तर्क है कि जीएसटी केवल उनके प्लेटफॉर्म फीस या कमीशन पर लगना चाहिए, क्योंकि इनमें से कई गेम कौशल (स्किल) पर आधारित होते हैं, न कि किस्मत (चांस) पर।

गंभीर रूप से बीमार एम्स में भर्ती किया गया अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन

» वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद है छोटा राजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हत्या, वसूली, मनी लॉन्ड्रिंग और धमकी जैसे गंभीर आरोप दर्ज हैं छोटा राजन पर अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, छोटा राजन वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद है और उसकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने पर जेल प्रशासन ने उसे तुरंत इलाज के लिए एम्स ले जाने का फैसला किया। छोटा राजन को एम्स में भर्ती कराने के दौरान सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है। दिल्ली पुलिस और तिहाड़ जेल प्रशासन ने उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। एम्स के जिस वार्ड में छोटा राजन को भर्ती किया गया है वहां सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। वार्ड के बाहर बड़ी संख्या में सशस्त्र पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। मरीजों और डॉक्टरों की आवाजाही को भी सीमित कर दिया गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

छोटा राजन को 2015 में इंडोनेशिया के बाली से गिरफ्तार किया गया था। तब से वह कई संगीन मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है और फिलहाल तिहाड़ जेल में अपनी सजा काट रहा है। जेल प्रशासन उसकी सुरक्षा को लेकर पहले से ही सतर्क था, क्योंकि वह अंडरवर्ल्ड की गतिविधियों से जुड़े कई अहम रहस्यों का गवाह है। छोटा राजन की मेडिकल स्थिति के बारे में फिलहाल अधिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि उनकी स्थिति गंभीर है और इलाज जारी है।

ट्रंप पर सजा का एलान आज, क्या ले पाएंगे शपथ!

» अमेरिकन कोर्ट ने 5-4 के मतों के साथ ट्रंप कीअपील को खारिज कर दिया

» एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 1 लाख 30 हजार डॉलर देने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जहां एक तरफ 20 जनवरी को देश के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ हश मनी केस में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। न्यूयॉर्क कोर्ट के जज ने आज हश मनी केस में ट्रंप की सजा का ऐलान किये जाने की बात कही थी। इसी के बाद ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट से सजा को रोकने के लिए आग्रह किया था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें झटका लगा है। कोर्ट ने भी सजा को रोकने से इंकार कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने सजा सुनाए जाने से अंतिम समय पहले बुधवार यानी 8 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से सजा रोकने की अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि, ट्रंप की हश मनी केस में सजा को रोकने की अपील को खारिज कर दिया है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने शीर्ष अदालत से इस बात पर विचार करने का आग्रह किया था कि क्या वह अपनी सजा पर स्वत: रोक लगाने के हकदार हैं, लेकिन जज ने आवेदन को 5-4 से खारिज कर दिया है।

क्या है हश मनी केस?

हश मनी केस साल 2016 का एक केस है. जिसमें कथित रूप से ट्रंप पर एडल्ट स्टार को पैसे देने का आरोप है. 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले एडल्ट स्टार को संबंधों पर चुप्पी साधने के लिए आरोप है कि ट्रंप ने पैसे दिए. एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 1 लाख 30 हजार डॉलर देने का आरोप दर्ज किया गया है. हालांकि, ट्रंप सभी आरोपों को खारिज कर चुके हैं.

5-4 से खारिज की गई अपील

इस केस को देख रहे जज जुआन मर्चन ने ट्रंप को सजा सुनाने के लिए आज का दिन तय किया है। जज ने हालांकि पहले ही संकेत दे दिए हैं कि ट्रंप को जेल की सजा नहीं दी जाएगी। साथ ही वो उन पर जुर्माना या प्रोबेशन नहीं लगाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के दो कंजर्वेटिव जज इ जॉन रॉबर्ट्स और एमी कोनी बैरेट ने तीन लिबरल जजों के साथ मिलकर बहुमत की और ट्रंप की सजा रोकने की अपील से इनकार कर दिया। बाकी चार न्यायाधीशों इ क्लेरेंस थॉमस, सैमुअल अलिटो, नील गोरसच और ब्रेट कवनुघ इ ने ट्रंप की अपील को स्वीकार कर दिया था, लेकिन 5-4 के मतों के साथ ट्रंप की अपील को अस्वीकार कर दिया गया।

ट्रंप के वकीलों का तर्क

इस केस में ट्रंप के वकीलों ने 8 जनवरी को आपातकालीन प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें उनके वकीलों ने कहा था कि पद संभालने से पहले निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप पर अपराध की सजा थोपना गंभीर अन्याय होगा और सरकार के संचालन में हस्तक्षेप करना होगा। इसी के साथ यह भी कहा गया था कि अपराध की सजा का ऐलान करने में देरी करनी चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।